ॐ

वर्ष-9, अंक-20, 16-31 अक्टूबर, 2024 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

मूल्य : 15 रुपये

कुल पृष्ठ 40

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

इस अंक में पढ़ें

पंच पर्व और दीपावली, अलविदा देश रत्न रतन टाटा, संघ प्रमुख ने कहा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा उसकी अंदरूनी ताकत पर निर्भर, हरियाणा की जनता ने रचा इतिहास भाजपा की हैट्रिक: फिर बनी सैनी सरकार, जम्मू- कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार, कर्नाटक के स्थापना दिवस पर विशेष स्टोरी, संगठन शास्त्र चालीसा, नवसलवाद और उसकी चुनौतियां, बकरे के बराबर मेंढक आदि महत्वपूर्ण रचनाएं और पढ़ें देश-विदेश की खबरें तथा सभी स्थायी स्तंभ।

हमेशा अच्छे ज्ञान व अच्छी वस्तु की ओर आकर्षित होना चाहिए–आचार्य चाणक्य

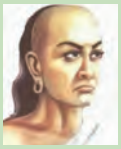

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 9, अंक : 20, 16-31 अक्टूबर, 2024

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र
06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

08 इस बार पंच पर्व और दीपावली : धीरेन बरोट
10 अलविदा देश रत्न, रतन टाटा : सोनम जैन
12 भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा उसकी अन्दरूनी ताकत पर निर्भर–डॉ. भागवत : विनोद कुशवाहा

राज्यों से

15 हरियाणा–गीता की धरती पर सत्य की जीत, हरियाणा में भाजपा हैट्रिक : आर.पी. तोमर
20 जम्मू-कश्मीर–चुनौतियां भी कम नहीं उमर अब्दुल्ला के सामने : रमेश गुप्ता
22 कर्नाटक–कर्नाटक : एक राज्य असंख्य विश्व : डॉ. मैथिली राव

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112
सम्पर्क : 0172-4672424, 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लान्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
राजनीतिक सम्पादक : **ओम प्रकाश पाल**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार–रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार प्रभारी
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
धर्मपाल महेन्द्र जैन, टोरंटो, कनाडा
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी—**विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी—**राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी—**नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी—**आशा सिंह देवासी**, मुबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी—**प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
कर्नाटक प्रभारी—**हर्ष गोयल**, बेंगलुरु
तमिलनाडु प्रभारी—**जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी—**लखनलाल चौरसिया**, भोपाल
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी—**अंकित जैन**, मेरठ

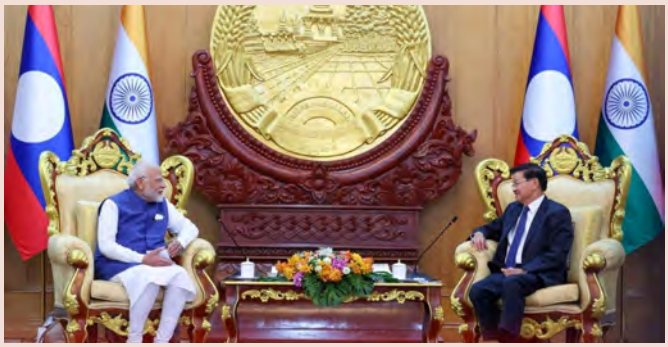

चिंतन

25 सरकार की बदनीयत उजागर : कृष्णानंद सागर
कांग्रेस और संघ : एक सिंहावलोकन-88

26 आचार्य चाणक्य बताते हैं दान का महत्व : रमेश जैन

चालीसा

27 संगठन-शास्त्र चालीसा-2 : लक्ष्मीनारायण भाला

व्यंग्य

28 बकरे के बराबर मेंढक : धर्मपाल महेंद्र जैन

समाचार जगत

29 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा

30 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन

31 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन

32 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/ हुरुई जेलियांग

35 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण

36 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

जॉब अलर्ट

37 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश सिंह, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
शुभ्रांशु दाम, धर्मनगर, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनायक भिषे, सतारा, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड

हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड

धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ

अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली
ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा ***chanakyavarta@gmail.com*** पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

सम्पादक के नाम पत्र

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

चाणक्य वार्ता के 1 अक्टूबर 2024 के अंक में 'एक देश, एक चुनाव' पर डॉ. अमित जैन का संपादकीय लेख पढ़ा। यदि अगले लोकसभा चुनाव तक यह नियम लागू हो जाता है, तो इससे देश को बहुत बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। हो सकता है कि इस चुनाव में इसका अधिक असर दिखाई न दे, लेकिन अगली बार ऐसा जरुर होगा। इसके साथ ही चुनाव आते ही आचार संहिता लागू हो जाने के कारण जो विकास कार्य रुक जाते थे, अब यह आचार संहिता सिर्फ पांच वर्ष में एक बार ही लगेगी। इससे विकास कार्यों को गति देने में अधिक सहायता मिलेगी। विपक्षी दल भले ही अभी इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि पहली बार इसे लागू करने के कारण कई राज्य सरकारों को उनका कार्यकाल पूरा होने से पहले ही भंग कर दिया जाएगा। लेकिन बाद में उन्हें भी इसका लाभ होगा। इन विपक्षी दलों को चुनाव प्रचार में बार-बार होने वाले परिश्रम से बचने में भी मदद मिलेगी।

सतीश गुंडियागोला
बेंगलुरु, कर्नाटक

पिछले पांच वर्षों से आयोजित हो रही श्रीमती कांतिदेवी जैन स्मृति त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्याख्यानमाला पर अंकुर जैन की रिपोर्ट पढ़ी। विदेशों में रह रहे भारतीयों को भारत से जोड़ने का यह बहुत अच्छा प्रयास है। हर वर्ष जिस प्रकार से नए विषय लिये जाते हैं, वो भारत और भारत से बाहर रहने वाले भारतीयों को एक-दूसरे से जोड़ने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहे हैं क्योंकि इससे विभिन्न विषयों पर चर्चा कर अच्छी समझ पैदा होती है। इसी के साथ मेरा मानना है कि पत्रिका के संपादक डॉ. अमित जैन और इस रिपोर्ट के लेखक अंकुर जैन के प्रयासों से उनकी माताजी श्रीमती कांतिदेवी जैन का नाम भी अमर हो गया है।

हरिकृष्णन
तिरुवनंतपुरम, केरल

चाणक्य वार्ता के अंक में इस वर्ष आयोजित श्रीमती कांतिदेवी जैन स्मृति त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्याख्यानमाला पर डॉ. हंसा दीप की रिपोर्ट पढ़ी। इस बार का विषय विदेश में भारतवंशी संस्कृति रखा गया था। वास्तव में भारत से बाहर भारतीय जिस भी देश में गए वो अपनी संस्कृति को भी अपने साथ लेकर जाते हैं। कई ऐसे देश हैं, जहां भारतीयों ने एक छोटा सा भारत बसा लिया है। इसी का प्रभाव है कि अब अमेरिका में भी दीपावली पर अवकाश होने लगा है। कई देशो में दीपावली भारत से भी अधिक उत्साह के साथ मनायी जाती है। यह सिर्फ एक उदाहरण है। इसके अतिरिक्त विदेशों में बसे भारतीय कई देशो में वहां की राजनीति को भी प्रभावित करते हैं। इसलिए भारतीय संस्कृति का परचम वहां फहराता हुआ दिखाई देता है।

नवरतन पिंचा जैन
चेन्नई, तमिलनाडु

चाणक्य वार्ता के 1 अक्टूबर 2024 के अंक में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव पर रमेश गुप्ता का लेख पढ़ा। इस चुनावी प्रक्रिया में राज्य के अंदर कुछ आतंकवादी घटनाएं हुईं। लेकिन इसका असर चुनाव पर नहीं पड़ा। विधानसभा चुनाव बहुत ही शांति के साथ संपन्न हो गया। यदि हम पश्चिम बंगाल चुनावों पर ध्यान दें, तो वहां इससे कहीं अधिक हिंसा हुई थी और पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसा ही होता चला आ रहा है। इस तुलना में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव तो शांति से ही सम्पन्न होने वाले माने जाएंगे। जब मैं यह बात लिख रहा हूं, तब नेशनल कांफ्रेंस को इन चुनावों में विजय हासिल हो चुकी थी। वो सरकार बना रहे हैं।

राकेश जैन
सूरत, गुजरात

चाणक्य वार्ता में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर अरुणज्योति बोरा का लेख पढ़ा। उन्होंने अपने दौरे में राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू से भी मुलाकात की। वैसे तो मोदी सरकार पूरे पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान दे रही है। लेकिन चीन की सीमा से लगने के कारण अरुणाचल प्रदेश भारत के लिए और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। वहां का विकास ही इसका उत्तर दे सकता है। इसको ध्यान में रखते हुए अरुणाचल प्रदेश की सरकार से निर्मला सीतारमण की वार्ता से राज्य का विकास चीन को भी जवाब दे सकता है। इसी अंक में लक्ष्मीनारायण भाला का संगठन शास्त्र चालीसा-पहला भाग पढ़ा। संगठन करना भी एक कला है। इस श्रृंखला से हमें यह कार्य समझने में सुलभता होगी।

सीता ज्योत्सना
अमरावती, आंध्र प्रदेश

चाणक्य वार्ता में खेल की गतिविधियों पर हेमंत उपाध्याय का लेख पढ़ा। इसमें उन्होंने सबसे पहले एशियाई हॉकी महासंघ द्वारा आयोजित पुरुष एशियाई चैंपियनशिप की जानकारी दी। चीन में ही चीन को हराकर भारत ने यह प्रतियोगिता जीती। इसके अतिरिक्त आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की जानकारी भी लेखक ने दी है। जय शाह का आईसीसी का 1 दिसंबर से अध्यक्ष पद संभालना भी एक अच्छी खबर है। इसके अलावा मुझे शतरंज ओलंपियाड आदि के समाचार भी बहुत रोचक लगे। यह चाणक्य वार्ता का एक अच्छा प्रयास है।

रमेश कुमार अग्रवाल
मुंबई, महाराष्ट्र

चाणक्य वार्ता के अंक में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए द्रमुक-भाजपा गठबंधन होने की संभावना पर ईश्वर करुण का लेख पढ़ा। हमने जम्मू-कश्मीर में देखा है कि भाजपा ने पीडीपी के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई थी। लेकिन वो सरकार अधिक समय तक नहीं चल सकी। इसके बाद पीडीपी का जनाधार गिरने लगा। ठीक इसी प्रकार यदि किसी कारण द्रमुक और भाजपा में गठबंधन हो भी गया, तो वो बहुत लम्बे समय तक चल नहीं पायेगा। अभी द्रमुक का गठबंधन कांग्रेस के साथ है। दोनों के विचार बहुत हद तक मिलते-जुलते है। इसलिए वह एक स्वभाविक गठबंधन है जबकि द्रमुक और भाजपा में बहुत अधिक वैचारिक मतभेद हैं। जिसने भी अपने विचार बदले, उसका अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है।

रमेश शर्मा
हरिद्वार, उत्तराखंड